उत्पत्ति से निर्गमन : आदेश और पैटर्न के परमेश्वर

1.बगीचे में आदम : उत्पत्ति 2: 8. और यहोवा परमेश्वर ने पूर्व की ओर अदन देश में एक वाटिका लगाई; और वहां आदम को जिसे उसने रचा था, रख दिया।

यहेजकेल 28:13 ; 31:9, 16, 18

उत्पत्ति 2:10 10. और उस वाटिका को सींचने के लिये एक महानदी अदन से निकली और वहां से आगे बहकर चार धारा में हो गई।(चार स्तंभ, चार जीवित प्राणी, चार प्रमुख याजक और चार सुसमाचार)।

उत्पत्ति 2:15. तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को ले कर अदन की वाटिका में रख दिया, कि वह उस में काम करे और उसकी रक्षा करे (शॉ-ब्रेड की मेज और सात शाखा कैंडलस्टिक - बादाम का पेड़)।

दया सीट के ऊपर करूबों के बीच से परमेश्वर की आवाज़:

उत्पत्ति 2 :16. तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को यह आज्ञा दी, कि तू वाटिका के सब वृक्षों का फल बिना खटके खा सकता है:

17. पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना: क्योंकि जिस दिन तू उसका फल खाए उसी दिन अवश्य मर जाएगा॥

2. पतित मनुष्य / आदम :

उत्पत्ति 3 : 21. और यहोवा परमेश्वर ने आदम और उसकी पत्नी के लिये चमड़े के अंगरखे बना कर उन को पहिना दिए।

उत्पत्ति 3 : 24. इसलिये आदम को उसने निकाल दिया और जीवन के वृक्ष के मार्ग का पहरा देने के लिये अदन की बाटिका के पूर्व की ओर करुबों को, और चारों ओर घूमने वाली ज्वालामय तलवार को भी नियुक्त कर दिया॥ (त्याग: दो रक्त: भस्म की वेदी और स्वर्ण वेदी, फिर बेल)।

यशायाह 51:3

सिय्योन पर्वत को यहोवा वैसे ही आशीर्वाद देगा। यहोवा को यरूशलेम और उसके खंडहरों के लिये खेद होगा और वह उस नगर के लिये कोई बहुत बड़ा काम करेगा। यहोवा रेगिस्तान को बदल देगा। वह रेगिस्तान अदन के उपवन के जैसे एक उपवन में बदल जायेगा। वह उजाड़ स्थान यहोवा के बगीचे के

जैसा हो जाएगा। लोग अत्याधिक प्रसन्न होंगे। लोग वहाँ अपना आनन्द प्रकट करेंगे। वे लोग धन्यवाद और विजय के गीत गायेंगे।(जंगल में वाचा का संदुक).

3. हनोक ने विश्वास से परमेश्वर को प्रसन्न किया :

उत्पति 5:21. जब हनोक पैंसठ वर्ष का हुआ, तब उसने मतूशेलह को जन्म दिया। 22. और मतूशेलह के जन्म के पश्चात हनोक तीन सौ वर्ष तक परमेश्वर के साथ साथ चलता रहा, और उसके और भी बेटे बेटियां उत्पन्न हुईं। 23. और हनोक की कुल अवस्था तीन सौ पैंसठ वर्ष की हुई।24. और हनोक परमेश्वर के साथ साथ चलता था; फिर वह लोप हो गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया।

इब्रानियों 11:5

विश्वास के कारण ही हनोक को इस जीवन से ऊपर उठा लिया गया ताकि उसे मृत्यु का अनुभव न हो। परमेश्वर ने क्योंकि उसे दूर हटा दिया था इसलिए वह पाया नहीं गया। क्योंकि उसे उठाए जाने से पहले परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले के रूप में उसे सम्मान मिल चुका था।(हनोक को प्रवेश करने के लिए खोल दिया गया था।)

11:6

और विश्वास के बिना तो परमेश्वर को प्रसन्न करना असम्भव है। क्योंकि हर एक वह जो उसके पास आता है, उसके लिए यह आवश्यक है कि वह इस बात का विश्वास करे कि परमेश्वर का अस्तित्व है और वे जो उसे सच्चाई के साथ खोजते हैं, वह उन्हें उसका प्रतिफल देता है।

4. विश्वास स्थापित करें:

इब्रानियों 11:1

विश्वास का अर्थ है, जिसकी हम आशा करते हैं, उसके लिए निश्चित होना। और विश्वास का अर्थ है कि हम चाहे किसी वस्तु को देख नहीं रहे हो किन्तु उसके अस्तित्त्व के विषय में निश्चित होना कि वह है। (इब्रानियों 11 के सभी लोग विश्वास के सभी पुरुष और महिला नए नियम का पूर्वावलोकन कर रहे थे, ठीक उसी तरह जैसे महायाजक साल में एक बार सिर्फ एक पल के लिए पवित्र के प्रवेश करते हैं।)

अगले हफ्ते जारी रखेंगे

5. नूह और नाव: आठ प्राण

6. अब्राहम

7. मलिकिसिदक8.

8. इस्साक, याकूब, जोशेप: बेंजामिन, और यहूदा.